मनोवृत्ति परिवर्तन
(Attitude Change)

मनोवृत्ति एक अर्जित प्रवृत्ति है, जो समय-समय पर उसके निर्माण एवं संपोषित करने वाले कारकों में परिवर्तन होने पर परिवर्तित हो सकती है। समाज मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनोवृत्ति में परिवर्तन दो तरह से होती है—

(i) संगत परिवर्तन तथा

(ii) असंगत परिवर्तन

संगत परिवर्तन से तात्पर्य वैसे परिवर्तन से होता है, जिसमें परिवर्तन पहले की दिशा में होती है। जैसे अनुकूल मनोवृत्ति बदलकर अधिक अनुकूल तथा प्रतिकूल से बदलकर अधिक प्रतिकूल हो जाती है। जबकि असंगत परिवर्तन में मनोवृत्ति की दिशा विपरीत होती है। अर्थात अनुकूल मनोवृत्ति बदलकर प्रतिकूल तथा प्रतिकूल मनोवृत्ति बदलकर अनुकूल हो जाती है।

समाज मनोवैज्ञानिकों तथा समाजशास्त्रियों ने बतलाया है कि मनोवृत्ति परिवर्तन कई कारकों द्वारा प्रभावित होते हैं, जिनमें कुछ प्रमुख कारक निम्नांकित हैं—

* **संदर्भ समूह में परिवर्तन—** समाज मनोवैज्ञानिकों के अनुसार व्यक्ति के संदर्भ समूह में परिवर्तन कर देने से उसके मनोवृत्ति में भी परिवर्तन हो जाता है। क्योंकि उन्हें इस नये समूह के विचार, मूल्य, मानदण्ड आदि प्रभावित करते हैं, जो मनोवृत्ति परिवर्तन में सहायक होते हैं।

* **समूह संबंधन में परिवर्तन—** यदि व्यक्ति किसी समूह विशेष से संबंध तोड़कर नये समूह से संबंध जोड़ लेता है, तो वह उस नये समूह के नियमों, लक्ष्यों, विचार, भाव, मूल्य आदि के अनुरूप अपने मनोवृत्ति में भी परिवर्तन लाता है। जैसे— काँग्रेस पार्टी का कोई सदस्य या विधायक जब उससे अपना संबंध तोड़कर BJP में शामिल होता है, तो वह उसके अनुरूप अपने मनोवृत्ति में भी परिवर्तन कर लेता है।

* **प्राप्त सूचनाएँ—** व्यक्ति को विभिन्न संचार माध्यमों, प्रचार एवं शिक्षा द्वारा अनेक सूचनाएँ प्राप्त होते रहती हैं। व्यक्ति स्वयं भी दूसरे व्यक्तियों के साथ अन्तःक्रिया द्वारा भिन्न-भिन्न

NOTES

Scanned with CamScanner

तरह की सूचनाएँ प्राप्त करता है और उनसे प्रभावित होता है जिस कारण उसकी मनोवृत्ति में भी परिवर्तन हो सकती है। व्यक्ति के मनोवृत्ति में होने वाली परिवर्तनशीलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि प्राप्त सूचनाओं का स्रोत क्या है? और सूचना प्राप्ति के समय परिस्थिति कैसी है? आदि आदि।

समाज मनोवैज्ञानिकों ने ऐसे तीन परिस्थितियों के बारे में बतलाया है, जिनमें मनोवृत्ति परिवर्तन सुगम होती है —

(i) सामूहिक परिस्थिति तथा एकान्त परिस्थिति — जब व्यक्ति को सामूहिक परिस्थिति में कोई सूचना दी जाती है, तो उससे व्यक्ति के मनोवृत्ति में परिवर्तन एकान्त परिस्थिति में दी गयी सूचना की अपेक्षा अधिक होती है।

(ii) प्रकट एवं गुप्त वादा (Public and Private commitment) मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि प्रकट वादा की परिस्थिति में अर्थात् जब व्यक्ति अपने विचारों एवं मतों से दूसरे को भी अवगत करा देता है, तो मनोवृत्ति परिवर्तन के उद्देश्य से प्राप्त सूचनाएँ अधिक प्रभावशाली नहीं रह जाती हैं परंतु वही सूचना गुप्त वादा की परिस्थिति में अर्थात् जब व्यक्ति अपने विचारों एवं मतों से दूसरे को अवगत नहीं कराया होता है तो ऐसी परिस्थिति में प्राप्त सूचनाएँ मनोवृत्ति परिवर्तन के उद्देश्य से अधिक प्रभावशाली होती हैं।

(iii) समूह निर्णय — समाज मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि जब कोई सूचना समूह निर्णय विधि के द्वारा दी जाती है, तो इससे व्यक्ति के मनोवृत्ति में अधिक परिवर्तन आता है। समूह निर्णय विधि वह विधि है, जहाँ कई व्यक्ति एक साथ मिलकर किसी विषय पर विचार विमर्श करते हैं और इसी माध्यम से व्यक्ति को मनोवृत्ति परिवर्तन के लिए सूचना प्रदान की जाती है।

* प्रभावी एवं विश्वसनीय संचार — विश्वास योग्य या प्रभावी संचार से तात्पर्य ऐसे सूचनाओं एवं तथ्यों के संचारण से है, जो सुनने वाले व्यक्ति के लिए अधिक आकर्षक एवं मनमोहक होते हैं और व्यक्ति की मनोवृत्ति को प्रभावित

करने की शक्ति रखते हैं। प्रायः ऐसे संचारक को जब व्यक्ति स्वीकार करता है, तो उसकी मनोवृत्ति में परिवर्तन आ ही जाता है। इस तरह का संचारक हमें टेलीविज़न या रेडियो के विज्ञापनों या प्रचार में देखने को मिलता है।

होवलैंड, जेनिस एवं केली (1953) ने अपने अध्ययन निष्कर्ष के आधार पर बतलाया कि मनोवृत्ति में होने वाला परिवर्तन मूलतः चार कारकों पर निर्भर करता है — संचारक का स्रोत, संचारक का विषय एवं विशेषता, संचार का माध्यम तथा श्रोता की विशेषता।

संचारक का स्रोत यदि आकर्षक संचार कर रहा है और विश्वसनीय है, तो इसके द्वारा मनोवृत्ति परिवर्तन सुगम हो जाती है। संचारक का विषय एवं स्वरूप ऐसी है, जिसे व्यक्ति में डर उत्पन्न करने वाली सूचनाएँ प्रदान की जा रही हो, ~~तब भी मनोवृत्ति~~ और उसके समाधान के उपाय भी उनके सामने रखे जा रहे हो, तो इससे भी मनोवृत्ति में परिवर्तन आसानी से होता है। यदि संचारक का ~~[illegible]~~ तरीका एक-तरफा न होकर दो तरफा हो अर्थात् दी जाने वाली सूचनाएँ किसी वस्तु या घटना के सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों पक्षों को उभार कर रही हो, तो भी मनोवृत्ति परिवर्तन होती पायी जाती है। संचार का माध्यम यदि अधिक विश्वसनीय हो, तो भी मनोवृत्ति परिवर्तन आसान होता है। साथ ही यदि दी जाने वाली सूचनाएँ श्रोता की विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए ~~एवं उनके~~ दी जाती है, तो मनोवृत्ति में परिवर्तन हो सकता है। परंतु कुछ श्रोताओं के अपने गुण के कारण जैसे उनकी शिक्षा, उम्र आदि पर भी निर्भर करता है कि उनके मनोवृत्ति में परिवर्तन हो पायेगा या नहीं। जैसे वृद्ध व्यक्तियों के मनोवृत्ति में परिवर्तन आसान नहीं होता है।

* बाध्यक संपर्क (Enforced contact) — बाध्यक संपर्क से तात्पर्य वैसे संपर्क से होता है जिसमें किसी व्यक्ति को कुछ ऐसे व्यक्तियों के साथ जबरदस्ती या लाचारी में अन्तःक्रिया

Scanned with CamScanner

करना पड़ता है, जिनके साथ वह स्वेच्छा से अन्तःक्रिया नहीं करना चाहता है जैसे— एक श्वेत एवं एक अश्वेत को एक ही कमरे में न चाहते हुए भी रहने के लिए बाध्य किया जाए। समर्थ मनोवैज्ञानिकों के अनुसार बाधित संपर्क में व्यक्तियों को एक दूसरे को समझने का मौका अच्छे रूप से मिलता है। फलस्वरूप एक-दूसरे के प्रति मनोवृत्ति में संगत या असंगत परिवर्तन धीरे-धीरे आने लगते हैं।

* अपेक्षित भूमिका-निर्वाह (Required role playing)— कभी-कभी व्यक्ति को कुछ ऐसी क्रियाएँ या व्यवहार लोगों के सामने करना होता है जिसे वह नहीं करना चाहता है क्योंकि ऐसी क्रियाएँ उसकी निजी मनोवृत्ति के विपरीत होती हैं परन्तु अपेक्षित भूमिका का निर्वहन करते-करते व्यक्ति की निजी मनोवृत्ति में भी परिवर्तन हो जाता है और उसका व्यवहार अनुकूल हो जाता है। इसतरह भी मनोवृत्ति में परिवर्तन होते पाया जाता है।

* व्यक्तित्व परिवर्तन प्रविधियाँ— कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तियों के व्यक्तित्व में परिवर्तन के द्वारा भी उनके मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने की कोशिश की है। उनका मानना है कि व्यक्तित्व संरचना में परिवर्तन लाने से व्यक्ति की मनोवृत्ति में होने वाला परिवर्तन अपेक्षाकृत अधिक स्थायी होता है।

* सांस्कृतिक कारक— प्रत्येक समाज की अपनी एक अलग संस्कृति होती है, जिससे व्यक्ति का व्यक्तित्व विकसित होता है। संस्कृति के मूल्यों, मानदण्डों आदि में परिवर्तन होने से व्यक्ति की मनोवृत्ति में भी उसी अनुरूप परिवर्तन आ जाता है।

* प्रचार— मनोवृत्ति परिवर्तन में प्रचार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रचार के विभिन्न साधनों का उपयोग कर सरकार तथा विज्ञापनकर्ता लोगों की मनोवृत्ति में परिवर्तन

APPOINTMENTS
NOTES

Scanned with CamScanner

किसी वस्तु, व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति भावों का प्रकाशन करते हैं। यदि प्रचारक अधिक विश्वासी, प्रभावी, आकर्षक एवं निर्दिष्ट योग्य होता है तो मनोवृत्ति परिवर्तन भी अधिक आसानी से हो पाता है। सरकार भी अनेक महत्वपूर्ण सामाजिक समस्याओं जैसे- व्यस्क शिक्षा, दहेज-प्रथा, परिवार नियोजन आदि समस्याओं के प्रति विभिन्न तरह के प्रचार द्वारा लोगों के मनोवृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन लाने की कोशिश करती रहती है।

इसप्रकार, स्पष्ट होता है कि व्यक्ति के मनोवृत्ति में अनेक कारकों का प्रभाव पड़ता है और इन कारकों के प्रभाव से व्यक्ति के मनोवृत्ति में ~~परिवर्तन~~ संगत या असंगत परिवर्तन होते पाये जाते हैं।

Scanned with CamScanner